ओडीओपी उद्यमियों के लिए हर जिले में प्लांट लगाएगी सरकार

पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर मुरादाबाद, संभल, प्रयागराज और कौशांबी में लगेंगे प्लांट

उद्यमी देंगे जमीन, प्लांट लगाकर देगी सरकार : सिद्धार्थ

एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने बताया कि साझा उपयोग के ये प्लांट हर जिले में स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक जिला किसी न किसी ओडीओपी उत्पाद के लिए चिह्नित है। मशीनें लगाने का अधिकांश खर्च प्रदेश सरकार उठाएगी। जमीन की व्यवस्था स्थानीय उद्यमियों के समूह को करनी होगी। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर यह योजना मुरादाबाद, संभल, प्रयागराज व कौशांबी में शुरू की जा रही है। प्रयोग सफल होने पर अन्य जिलों में भी योजना को विस्तार दिया जाएगा।

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश का एमएसएमई विभाग हर जिले में ओडीओपी उद्यमियों के लिए मशीनें खरीदकर देगी। प्रथम चरण में मुरादाबाद में बर्तनों पर पीवीडी कोटिंग और संभल में बटन के लिए हड्डी पीसने के प्लांट को हरी झंडी दे दी गई है। प्रयागराज और कौशांबी में केला पकाने का प्लांट लगाने का भी फैसला किया गया है। यह कवायद प्रदेश के छोटे उद्यमियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने के काबिल बनाने के लिए हो रही है।

दरअसल, चीन से पीवीडी कोटिंग लगे बर्तन निर्यात होने से मुरादाबाद के पीतल उद्योग पर काफी खराब असर पड़ा है। मुरादाबाद में घर-घर में होने वाला पीतल का काम करीब-करीब ठप हो चुका है। इसलिए सरकार ने मुरादाबाद में पीवीडी कोटिंग का प्लांट लगाने का निर्णय किया है। 9 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले इस प्लांट के लिए सरकार 8.40 करोड़ रुपये अनुदान देगी। शेष 60 लाख रुपये के साथ जमीन की व्यवस्था स्थानीय उद्यमी संगठन को करना होगा। इसके लिए मुरादाबाद के उद्यमियों से बात भी हो चुकी है।

इसी तरह संभल में जानवरों की हड्डियों का पाउडर बनाने के लिए प्लांट लगाया जाएगा। इस पाउडर से बटन बनाए जाते हैं। इस प्लांट से स्थानीय उद्यमियों को बटन बनाने के लिए कच्चा माल मिलेगा। फिनिश गुड (तैयार माल) उन्हें अपने यहां ले जा तैयार करना पड़ेगा। इसी तरह प्रयागराज कौशांबी में केले का उत्पादन काफी ज्य होता है। वहां केला पकाने के लिए प्ल लगाकर दिया जाएगा। प्लांट की अनुमा लागत 60 लाख रुपये है। खास बात य कि इस प्लांट में आम और पपीता भी पक जा सकेगा।

Amar Ujala P-2 of 17 Dec 2019.